- एसी में बैठकर किसानों के लिए योजना बनाने वाले क्या जाने किसान का दर्द
- उपार्जन केन्द्रों में खरीद को लेकर बोले अन्नदाता

हम किसान हैं कोई व्यापारी नहीं जो साफ करके गेहूं लाएं...

संजय साहू

हरिभूमि जबलपुर। हम किसान हैं साहब कोई व्यापारी नहीं जो सरकार हमसे कह रही है कि गेहूं साफ करके लेकर आओ, अब गेंहू जैंसा खेत में पैदा होता है वैसा ही हम उपार्जन केन्द्र में लेकर आ रहे हैं, उसमें मिट्टी है या कचरा, हमें नहीं मालूम हम तो सिर्फ ये जानते हैं कि हमने मेहनत करके ये अन्न उगाया है। सरकार नहीं ले रही है तो हम बाजार में जो कीमत मिल रही है उससे गुजारा कर रहे हैं। यह कहना है उन किसानों का जो कृषि उपज मंडी में अपनी गेहूं की फसल लेकर आये हैं। किसानों का कहना है कि एसी में बैठकर किसानों के लिए नियम बनाने वाले क्या जाने की फसल कैसे उपजाई जाती है।

उल्लेखनीय है कि मप्र में किसानों की उपार्जित फसल गेहूं को केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा खरीदा जा रहा है। पिछले साल की तुलना में इस बार खरीदी आधी भी नहीं हो पाई है। इसका कारण शासन के नियम हैं, जिन्हें किसान नहीं मान रहा हैं। किसानों का कहना है कि जैसा अनाज खेत में उग रहा है वैसा ही हम उपार्जन केन्द्र में लेकर पहुंच रहे हैं परंतु वहां पर हमसे कहा जा रहा है कि गेहूं को साफ करके लेकर आओ छन्ना लगाओ तभी हम खरीदगें। अब हम व्यापारी तो हैं नहीं किसान हैं जो खेत में अन्न उगाता है, और खेत में मिट्टी भी होती है।

56 हजार का पंजीयन पहुंचे 16 हजार

गौरतलब है कि जिले में गेहूं के लिए 56 हजार किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया था लेकिन खरीदी केंद्रों में मात्र 16 हजार किसान ही पहुंचे हैं। जबकि हर वर्ष 45-46 हजार किसान उपार्जन केन्द्रों में पहुंचकर अपनी उपज बेचते थे। इस बार गेहूं का रकबा बढ़ने के बाद भी यह हालात जिला प्रशासन की हठधर्मिता को प्रदर्शित कर रहे हैं।

1 अप्रैल से 20 जून तक होना है खरीदी

दरअसल शासन द्वारा 1 अप्रैल से गेहूं की खरीद की जा रही है। जिले में 128 खरीदी केन्द्र बनाये गये हैं। खरीदी केन्द्रों में इस बार गेहूं को उड़ाने के लिए पंखा एवं छानने के लिए छन्ना लगाया है। जिस पर किसानों में आक्रोश स्पष्ट नजर आ रहा है। किसान खुले बाजार में तो 2 सौ रूपये कम में गेहूं तो बेच रहे हैं परंतु खरीद केन्द्र नहीं जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि हम किसान हैं न कि व्यापारी जो छन्ना लगाकर अपनी उपज बेचे अगर छन्ना ही लगाना है तो हम खरीदी केन्द्र क्यों जाए। इससे अच्छा है कि हमारी जैसी फसल है उसी को खुले बाजार में बेच दें।

प्रति क्विंटल 100-200 रूपये का घाटा

मंडी में गेहूं बेचने पर किसानों को 100 से 200 रूपये प्रति क्विंटल का घाटा हो रहा है। इसके बाद भी किसान उपार्जन केन्द्र नहीं जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण जो सामने वह यही है कि किसान अपनी फसल जैसी है उसे वैसे ही हालात में बेचना चाहता है। सरकारी नियम कुछ भी कहें परंतु किसान के लिए एक -एक अन्न का दाना कीमती होता है, फिर वह छोटा हो या न हो उसकी चमक फीकी पड़ गई हो या उसमें खेत की मिट्टी ही क्यों न हो।

तर्कविहीन तर्क देते अधिकारी

पिछले साल जिले में लगभग 3 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी हुई थी, उसके बाद भी अनेक किसान अपनी उपज नहीं बेच पाने से दुखी थे। परंतु इस बार यह आंकड़ा घटकर 1 लाख 40 हजार मीट्रिक टन तक ही पहुंच पायेगा। हालांकि इस पर अधिकारी तर्कविहीन तर्क देते नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि खुले बाजार में किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं इसलिए किसान इस बार अपनी उपज उपार्जन केंद्रों तक नहीं ला रहे हैं। उनके इस तर्क विहीन तर्क की बानगी मंडी में नजर आ रही है जहां किसान सुबह से आता है और शाम तक भूखा प्यासा रहकर अपनी फसल बेचकर जाता है वह भी कम दामों में।

फैक्ट फाइल

- 1 अप्रैल से शुरू हुई खरीदी 20 जून तक चलना है
- पिछले साल 3 लाख मीट्रिक टन हुई थी खरीदी
- इस बार अभी तक 1 लाख 24 हजार मीट्रिक टन ही हो पाई खरीदी
- 56 हजार किसानों ने कराया था पंजीयन 16 हजार किसान पहुंचे खरीदी केन्द्रों मे

किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं

ये बात सही है कि पिछले साल की अपेक्षा इस साल गेहूं की कम खरीद हुई है, अभी तक 1 लाख 24 हजार मीट्रिक टन की खरीद ही हो पाई है, हमें उम्मीद है कि हम 2 लाख के आसपास खरीद कर लेगें। जहां तक कम खरीदी का सवाल है तो किसानों को मंडी में अच्छे दाम मिल रहे हैं। इसलिए किसान उपार्जन केन्द्रों में नहीं आ रहा है।

अर्पित तिवारी
विपणन अधिकारी जबलपुर

कई परिवार टूटने से बचे, दुर्घटनाग्रस्तों को मिली इलाज की सहायता

- राष्ट्रीय लोक अदालत : सहज-सुलभ व त्वरित न्यायदान मिला
- जिला न्यायालय में 4631 प्रकरण निराकृत, 39 करोड़ से अधिक का मुआवजा वितरित

जबलपुर। कई परिवारों में पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद थे। ये मामले राष्ट्रीय लोक अदालत में परस्पर समझाइश से कुछ ही पल में निराकृत हो गए। इस तरह दंपति खुशी-खुशी घरों की ओर से लौटे। सुनीता-राजेश, मनीष-विमला, उर्मिला-संतोष इन्हीं में शामिल थे। इसी तरह लोकमन का परिवार दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के लिए समुचित धनराशि न मिलने को लेकर हलकान था। राष्ट्रीय लोक अदालत में समझाइश का यह नतीजा निकला कि लोकमन की भांति अन्य कई परिवारों की समस्या हल हो गई। बीमा कंपनियां बढ़ी हुई दावा राशि के भुगतान के लिए तैयार हो गईं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी के मार्ग दर्शन में जिला न्यायालय जबलपुर व सिहोरा व पाटन सहित कुटुम्ब न्यायालय में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। इसके तहत 4631 प्रकरणों का आपसी सामंजस्य से पटाक्षेप हो गया। इस प्रक्रिया में 39 करोड़, 58 लाख, 58 हजार 438 रुपये की का मुआवजा वितरित हुआ। प्रकरणों के निराकरण के लिए 78 खंडपीठों का गठन किया गया था। जिसमें न्यायालयों में लंबित 1520 प्रकरणों व 3111 प्रीलिटिगेशन के प्रकरणों का निराकरण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय प्रकृति के 255 प्रकरण, धारा-138 एनआई एक्ट के 136 प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 849 प्रकरण, सिविल मामलों के 69 प्रकरणों, विवाह संबंधित प्रकरण 67 एवं विद्युत अधिनियम के अंतर्गत 59, लेबर प्रकरण चार अन्य प्रकृति के 81 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया।

मोटर दुर्घटना में 30 करोड़ से अधिक का मुआवजा बंटा

राष्ट्रीय लोक अदालत में चैक बाउंस के मामलों में कुल तीन करोड़ आठ लाख नौ सौ सोलह से अधिक रूपये की समझौता राशि के आदेश दिए गए। इसी तरह मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के प्रकरणों में 30 करोड़ तेरह लाख आठ हजार चौहत्तर रुपये का मुआवजा वितरित हुआ। विद्युत के न्यायालयों में लंबित 59 प्रकरणों में सात लाख पच्चपन हजार छः सौ सत्तर की राजस्व वसूली हुई। इसी प्रकार बैंक रिकवरी के 179 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में निराकरण के बाद तीन करोड़ 39 लाख दो हजार 119 रुपये की समझौता राशि राष्ट्रीय लोक अदालत में प्राप्त हुई।

पांच अरब से अधिक का मुआवजा वितरित

राष्ट्रीय लोक अदालत में 58 हजार से अधिक प्रकरण निराकृत

जबलपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में शनिवार को आयोजित हुई राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रदेश भर में 58 हजार से अधिक प्रकरणों का आपसी सामंजस्य से निराकरण हो गया। इस प्रक्रिया में चार अरब, 77 करोड़, 75 लाख 371 रुपये का मुआवजा वितरित हुआ। पक्षकारों के वर्षो पुराने मामलों का आपसी सहमति से निराकरण होने पर उनके चेहरों को खुशी की लहर दौड़ गई।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ के मार्गदर्शन में हुई राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति शील नागू व हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने किया। हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर व खंडपीठ इंदौर व ग्वालियर खंडपीठ में छह खंडपीठों का गठन प्रकरणों के निराकरण के लिए किया गया था।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित एक लाख, 92 हजार 588 प्रकरणों को निराकरण के लिए रखा गया था। जिनमें से 24 हजार, 758 प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण कर तीन अरब, 43 करोड़, 25 लाख, 22 हजार 581 रुपये का मुआवजा वितरित किया गया। इसी प्रकार प्री-लिटिगेशन के चार लाख, 60 हजार 529 प्रकरण निराकरण के लिये रखे गए थे। जिनमें से 32 हजार 882 प्रकरणों का निराकरण कर एक अरब, 34 करोड़, 49 लाख, 77 हजार, 790 रुपये का मुआवजा वितरित हुआ। इस तरह राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित कुल एक लाख, 92 हजार 588 प्रकरण व 460529 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकरण के लिए रखे गए थे। जिनमें से कुल 57640 प्रकरणों का निराकरण कर चार अरब, 77 करोड़, 75 लाख 371 रुपये का मुआवजा वितरित किया गया।

चैक बाउंस मामले में आरोपी दोषमुक्त

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमति रुचि गोलस सगर की अदालत ने चैक बाउंस के आरोपी अमखेरा निवासी मुकेश वर्मा को दोष मुक्त कर दिया। अदालत ने पाया कि चैक बाउंस का मुकदमा अपरिपक्व है इसलिए आरोपी को बरी किया। श्रीमति शपुंतला जैन द्वारा आरोपी मुकेश वर्मा के खिलाफ न्यायालय में परिवाद दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि आरोपी मुकेश वर्मा ने गत 10 फरवरी 2020 को चैक दिया गया था, जिसे उन्होंने खाते में जमा किया था तो चैक बाउंस हो गया था और 13 फरवरी को चैक वापस हुआ। इसके बाद उन्होंने परिवाद दायर किया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रिन्केष मौर्य द्वारा कोर्ट में दलील दी गई। परिवादी को चैक 13 फरवरी 2020 को वापस हुआ। चैक बाउंस के मामलो मे शिकायतकर्ता को चैक बाउंस होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर विधिक सूचना की तामीली की जानी आवश्यक है तथा साथ ही सूचना तामील होने के उपरांत 15 दिवस के भीतर चैक जारीकर्ता द्वारा चैक राशि अदा किये जाने में जानबूझकर असफल रहना आवश्यक होता हैं। आरोपी के अधिवक्ता द्वारा बचाव पक्ष रखते हुये साक्ष्य व अंतिम तर्प में यह बात रखी, कि शिकायतकर्ता द्वारा प्रश्नगत चैक विहित अवधि में भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाने पर अनादरित होने के अनुक्रम मे अनादरण की सूचना 19 मार्च 2020 से 30 दिवस के भीतर विधि समयावधि में मांग सूचना पत्र प्रेषित किया जाना चाहिये था, जबकि परिवादी द्वारा मांग सूचना पत्र 20 अप्रैल 2020 को दो दिवस विलम्ब से प्रेषित किया गया। न्यायालय ने यह माना कि भले ही कोविड पेंडेमिक के दौरान वाद, सर्वेच्च न्यायालय द्वारा भले ही वाद, अपील एवं आवेदन की परिसीमा के सबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया था, किंतु चैक बाउंस के मामलो में मांग सूचना पत्र की समयावधि मे कोई हेतु विधिक प्रावधानों को नही बढ़ाया गया था। न्यायालय ने परिवाद को अपरिपक्व माना और आरोपी को दोष मुक्त कर दिया।

बोनी एवं कटाई के समय में 10-15 दिन की बचत की जा सकती है

डायरेक्ट सीडेड राईस विधि से अधिक उत्पादन कर सकते हैं : उप संचालक कृषि

हरिभूमि न्यूज जबलपुर।

उप संचालक कृषि ने बताया कि जबलपुर जिले में खरीफ में धान की 1.70 लाख हेक्टेयर में बोनी होती है तथा रबी में गेहूं 1.98 लाख हेक्टेयर में बोनी की जाती है। अतः जबलपुर की मुख्य फसल धान एवं गेहूं है, साथ ही जायद में उड़द, मूंग का रकबा बढ़कर 1.05 लाख हेक्टेयर हो गया है। अगर किसान डायरेक्ट सीडेड राईस (एएसआर) विधि को अपनाकर धान, गेहूं एवं मूंग, उड़द की बोनी करते हैं, तो सभी फसलों का बोनी एवं कटाई के समय में 10-15 दिन की बचत की जा सकती है, जिससे तीनों मौसम की फसलों का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। किसानों को जायद मूंग-उड़द पकने की अवस्था में वर्षा के कारण फसल सुखाने के लिये खरपतवार नाशक दवा डालने की आवश्यकता नहीं होगी तथा मूंग-उड़द का दाना बोल्ड एवं उत्पादन अधिक प्राप्त होगा।

कृषकों को धान में रोपा के बजाय डी.एस.आर पद्धति से सीधे बुवाई करने की सलाह दी जाती है। इस पद्धति में धान की बुवाई करने से लागत में कमी आती है जैसे- रोपाई से अपेक्षाकृत कम मजदूरों की आवश्यकता होती है, धान में पानी की कम आवश्यकता होती है अतः जल संरक्षण भी होता है, लाईन से बोनी होने के कारण खरपतवार, कीड़े, बीमारियों के नियंत्रण के लिये की जाने वाली गतिविधियां एवं दवाओं के उपयोग में सुविधा होती है तथा खड़ी फसल में कृषि यंत्रों का उपयोग भी आसानी से किया जा सकता है। लाईन में बोनी होने के कारण पौधों को सूर्य का प्रकाश स्थान पानी एवं पोषक तत्वों के लिये आपस में प्रतिस्पर्धा नहीं होती है। फलस्वरूप फसल में अधिक कल्ले निकलते हैं और उत्पादन में वृद्धि होती है। धान की बुवाई डी.एस.आर सीडड्रिल या जीरोटिलेज सीडड्रिल से की जा सकती है। यह सीडड्रिल उपलब्ध न होने पर सामान्य सीडड्रिल में ही फ्लूटेड-रोलर पर्याप्त स्थिति में खोलकर उपयोग किया जा सकता है। इससे धान के बीज टूटने से बच जाते हैं, साथ ही बीज के साथ डी.ए.पी. का मिश्रण भी किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिकी द्वारा इस वर्ष सभी विकास खण्डों में खरीफ मौसम में धान की बोनी डायरेक्ट सीडेड राईस (एएसआर) विधि के प्रदर्शन भी आयोजित किये जायेंगे।

साड़ी दिलाने के नाम पर घर से ले गया था

फूफा ने की थी नाबालिग भतीजी की हत्या

जबलपुर। शुक्रवार को खमरिया के पास नहर में मिली 17 साल की किशोरी की हत्या के मामले में आरोपी नाबालिग का रिश्ते का फूफा आरोपी विक्रम बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी फूफा को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि लड़की को साड़ी दिलाने का झांसा देकर विक्रम उसे अपने साथ ले गया था। वहीं दूसरी और एक चर्चा यह भी है कि आरोपी और नाबालिग के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोपी ने शादी में नाबालिग को शादी में किसी अन्य युवक के साथ बात करते हुए देखा था जिससे वह नाराज हो गया। बहरहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है पूछताछ के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल खमरिया पुलिस का कहना है कि खमरिया के बिरनेर गांव के पास की एक नहर किनारे 17 वर्षीय किशोरी की शुक्रवार 10 मई की सुबह मिली थी। किशोरी के सिर और मुंह पर पत्थर से गंभीर वार किए गए हैं जिसके चलते ही उसकी मौत हुई है. आरोपी ने किशोरी की हत्या करने के बाद शव को नहर किनारे फेंक दिया था. खमरिया थाना पुलिस को सुबह करीब 5 बजे जब सूचना मिली की नहर में एक किशोरी का शव तैर रहा है तो मौके पर थाना प्रभारी सहित स्टाफ पहुंचा और शव का पंचनामा करवाने के बाद पीएम को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया. सीसीटीव्ही फुटेज में लड़की फूफा के साथ जाते दिखी और घर में भी साड़ी दिलाने के नाम पर बाजार ले जाने का कहकर आरोपी लड़की को लेकर निकला था। पुलिस ने मामले की जांच शुरु की फूफा पर शक होने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की जिसके बाद उसने अपना जुर्म कबूला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट होगा की लड़की के साथ कोई अन्य अपराध हुआ था या नहीं।

साड़ी दिलाने के नाम पर ले गया था

परिजनों ने बताया गुरुवार को घर में हल्दी की रस्म चल रही थी। मृतिका अपनी बुआ से शादी में नई साड़ी पहनने की जिद करने लगी। लड़की के फूफा उसे नई साड़ी दिलाने के नाम पर साथ ले गया। लड़की की चाची ने मृतिका को विक्रम के साथ जाते हुये देख लिया था। कई घंटे बाद जब विक्रम लौटा तो उससे लोगों ने युवती के बारे में पूछा, तो उसने जवाब की वो उसे खम्बे के पास छोड़कर कर चला गया था। इतना कहकर विक्रम फिर बाईक लेकर चला गया।

टूटा मोबाईल देखकर हुआ शक

रात में 12 बजे जब विक्रम लौटा तब फिर उससे सवाल किया गया। फिर जब उसका टूटा मोबाईल और उसपर धूल देखकर परिजनों को पहले ही शक हुआ। परिजनों ने लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में कराई। जिसके बाद जब शव मिला तो परिजनों ने विक्रम पर शक की बात पुलिस को बताई। पुलिस ने विक्रम को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल की।

अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली जब्त

जबलपुर। बेलखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम नीमखेड़ा गौघाट में बिना नंबर की ट्रैक्टर ट्राली में अवैध रुप से चोरी की रेत परिवहन कर ले जा रहे एक ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस ने जब्त कर लिया है वहीं ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। बेलखेड़ा थाना प्रभारी श्रीमति सरोजनी टोप्पो ने बताया कि गत रात ग्राम नीमखेडा गौघाट में बिना नंबर की एक टैक्टर ट्राली में चोरी की रेत लोड कर ले जाया जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली जब्त कर ट्रैक्टर चालक के विरूद्ध धारा 379 के तहत एवं 4/21 खान खनिज अधिनियम तथा धारा 18(1) मध्य प्रदेश खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक चालक की मौत

जबलपुर। कटंगी थाना अंतर्गत ग्राम नया गांव कुलुआ के पास गत देर रात मेन रोड में एक अज्ञात वाहन ने एक बाईक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। कटंगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नया गांव कुलुआ के पास मेन रोड में गत देर रात लगभग 2 बजे एक अज्ञात वाहन के चालक ने एक बाईक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक

जबलपुर। स्कूल शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करने शिक्षा विभाग के जिले के सभी अधिकारियों की मॉडल बैठक मॉडल स्कूल में संपन्न हुई। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई इस बैठक में जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा भी मौजूद थे। बैठक में प्रमुख रूप से परीक्षा परिणाम, स्थापना सबन्धी प्रकरण, न्यायालयीन प्रकरण, छात्रवृत्ति संबंधी प्रकरण, मान्यता प्रकरण एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने विभाग के सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि किसी भी स्तर पर कोई प्रकरण लंबित न रहे तथा शिक्षकों, विद्यार्थियों और उनके पालकों को कोई कठिनाई न हो। उन्होंने विद्यालय खुलने के पूर्व सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा शाला भवनों की मरम्मत के कार्य समय पूर्व करा लेने के निर्देश भी दिये। बैठक में सहायक संचालक आर के बधान, परीक्षा प्रभारी अरविंद अग्रवाल, सभी शालाओं के प्राचार्य तथा सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्राsत समन्वयक, ब्लॉक एकेडमिक कोऑर्डिनेटर, जनशिक्षक एवं सहायक परियोजना समन्वयक उपस्थित रहे।

गुंडा टैक्स नहीं देने पर बदमाशों ने दो युवकों को चाकू मारे

जबलपुर। गोरखपुर और गोहलपुर में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने दो युवकों के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार चौधरी मोहल्ला रामपुर निवासी 20 वर्षीय मजदूर अंकित चौधरी गत रात लगभग 9.30 बजे अपनी बहन को शादी में गौरीघाट छोड़कर वापस घर आ रहा था तभी घर के पास विज्जू उर्फ विजय चौधरी एवं हित्तू चौधरी उससे शराब पीने के लिए रुपए की मांग करने लगे, मना करने पर विजय ने चाकू से अंकित के दोनों जांघों पर हमला कर दिया और हित्तू ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियें के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 327, 506, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है। इसी तरह गोहलपुर गली नंबर 12 अमखेरा गोहलपुर निवासी 30 वर्षीय दर्जी साहिल उर्फ राहुल गत रात लगभग 10.30 बजे मोहल्ले में किराना दुकान के पास खड़ा था और पास में सैफ अली अपने दो अन्य साथियों के साथ शराब पी रहा था। उसे देखकर सैफ अली और उसके दो अन्य साथियों ने शराब पीने के लिए रुपए की मांग की, मना करने पर तीनों गालीगलौज करने लगे, गालियां देने से मना किया तो सैफ ने चाकू से उसके पैर के दोनों जांघों पर हमला कर दिया और अन्य ने मारपीट कर सिर व गाल में चोटें पहुंचा दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 327, 324, 506, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

भगवान परशुराम एवं आद्य शंकराचार्य जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

मन, कर्म, वचन की एकता से किया कार्य निश्चित सफल होता है

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन द्वारा भगवान परशुराम जी एवं आद्य शंकराचार्य जी जयंती पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि पूर्व पुलिस अप महानिरीक्षक मनोहर वर्मा, मुख्य वक्ता शिक्षाविद डॉ किरण खरे, संगठन अध्यक्ष संदीप जैन की उपस्थिति में वर्मा बारात घर विजय नगर में किया गया। विचार गोष्ठी की मुख्य वक्ता डॉ किरण खरे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा मै संगठन के लोगों को बधाई देती हूं। मन कर्म वचन में एकता होगी तो सब शुभ होगा और समरसता के भाव को लेकर कार्य कर रहा यह संगठन अपने मन कर्म वचन की एकता के साथ ही कार्य कर रहा है यह प्रसंशनीय है।

डॉ खरे ने कहा देश के अनेकों महात्मा और महापुरुष हुए और देश में किसी भी अवतार पुरुष हो या महात्मा किसी ने कोई धर्म नहीं चलाया अलग अलग धर्मो को बनाने का कार्य उनके अनुयायियों ने किया। महापुरुषों ने तो सर्व समाज को अपना संदेश दिया और भगवान परशुराम व आद्य शंकराचार्य जी जिनका जन्म वैशाख माह में हुआ था आज उनकी जन्म जयंती के अवसर पर हम कार्यक्रम को आयोजित कर रहे है तो हम देखेंगे की इन महापुरुषों ने मन कर्म वचन की एकता के साथ ही कार्य किया और हमें भी उनसे प्रेरणा लेना चाहिए कि जो भी कार्य हम करें उसे पूर्ण मन कर्म और वचन से करें तो निश्चित रूप से हमें सफलता मिलेगी। डॉ खरे ने भगवान परशुराम एवं आद्य शंकराचार्य जी के जन्म, कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन के संस्मरण सुनाए।

सम्मान- कार्यक्रम के दूसरे चरण में पं अशोक मनोध्या, प्राचार्य नर्मदा प्रसाद शर्मा, डॉ अखिलेश मिश्रा, पं. निरंजन द्विवेदी, नरेश देवेदी, राजेंद्र कुरारिया, डॉ. प्रशांत मिश्रा, कु. आकांक्षा मिश्रा, शालू मिश्रा, निशांत वाजपई, सुरेश मिश्र विचित्र, सुमिधा मिश्रा, नंदा शर्मा, श्रद्धा तिवारी, राजेंद्र मिश्रा, विजय किसलई, एड. सम्पूर्ण तिवारी, पं. लोकेश व्यास, दिवांशु गौतम, राजेश पाठक प्रवीण, कमल किशोर तिवारी, सुश्री निशा तिवारी, प्रतिमा शर्मा, डॉ. अजय शुक्ला का सम्मान किया गया।

भव्य शोभायात्रा के साथ भागवत कथा प्रारम्भ

सिहोरा। आनंद भगवान के नाम लेने और संकीर्तन और भक्ति करने में जो आनंद है वह दुसरी किसी भी चीज में नहीं है उक्ताशय के उद्धार शिव मंदिर बाबाताल में शनिवार से प्रारंभ हुई संगीतमय सप्त दिवसीय भागवत कथा में पंडित अंशुल कृष्ण जी महाराज श्रीधाम वृन्दावन ने व्यासपीठ से व्यक्त किए। आगे कहा विश्व की उत्पत्ति और समय आने पर उसका संहार भी भगवान ही करते हैं। इसके पूर्व कथा स्थल से प्रारम्भ हुई भागवत कथा की कलश शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं बच्चों ने सर पर कलश हिस्सा लिया।

छोटी-छोटी बच्चियों ने रचाया गुड्डे-गुड़ियों का ब्याह

सिहोरा- अक्षय तृतीया पर परंपरागत रुप से छोटी छोटी बच्चियों ने मिट्टी के गुड्डे-गुड़ियों को तैयार कर उनका ब्याह रचाया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत अक्षय तृतीया से ही हुई थी भगवान विष्णु ने नर नारायण का अवतार भी इसी दिन लिया था भगवान परशुराम का जन्म भी अक्षय तृतीया पर हुआ था. इस शुभ तिथि से ही भगवान गणेश ने महाभारत का काव्य लिखना शुरू किया था इसी दिन महालक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए विशेष अनुष्ठान किये जाते है एंव इसी दिन महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था. इस दिन गंगा नदी पृथ्वी पर स्वर्ग से उतरी थी। इस अवसर पर जानवी तिवारी, दीपाली तिवारी,जया तिवारी,साध्वी शुक्ला, आराध्या कुररिया आदि बच्चियां उपस्थित थीं।

श्रीकृष्ण-रुक्मनी विवाह का प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

जबलपुर। श्री अनगढ़ महावीर मंदिर गोरखपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन आचार्य कथावाचक पं. सतीश कुमार शुक्ला ने इन्द्र द्वारा क्षमा याचना, वरुण लो से नंद बाबा को लाना, गोपियों द्वारा प्रभु को खोजना, कंस नारद मिलन, आक्रूरजी को बुलाना, आक्रूर का वृन्दावन गमन, प्रभु का मथुरा आगमन, कुब्जा उद्धार, उद्धव का बृज गमन, प्रभु का कुब्जा आक्रूर के घर जाना, रुक्मनी का हरण एवं विवाह रुक्मनी ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप में सौंदर्य की प्रशंसा सुनी तो अपने मन ही मन से श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मनी का बड़ा भाई रूम्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और बहन का विवाह चेदि नरेश राजा दशमेष के पुत्र शिशुपाल से करना चाहता था, अंत में रुक्मनी का विवाह श्रीकृष्ण से हुआ और प्रभु के सोलह हजार एक सौ आठ विवाह हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे।

सिहोरा न्यायालय में लोक अदालत का आयोजन

आर्थिक क्षति से बचने का सर्वोत्तम माध्यम है लोक अदालतः सैफी दाऊदी

सिहोरा। कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार आज 11 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय सिहोरा में सैफी दाऊदी. जिला न्यायाधीश (द्वितीय) सिहोरा के द्वारा माँ सरस्वती वंदना कर लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश (द्वितीय) सैफी दाउदी ने कहां की नेशनल लोक अदालत आर्थिक एवं समय की क्षति से बचने का सर्वोत्तम माध्यम होने के साथ साथ विवादों के त्वरित निवारण के लिए एक मजबूत मंच है।इस अवसर पर सुधांशु सिन्हा, जिला न्यायाधीश (तृतीय) सिहोरा, सुश्री रेशमा खातून न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्रीमती खालीदा तनवीर,न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं श्रीमती तनुश्री शिवहरे न्यायिक मजिस्ट्रेट,प्रथम श्रेणी, सुश्री उर्वशी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी,सुश्री दीपशिखा दांगी,न्यायिक मजिस्ट्रेट,प्रथम श्रेणी, सिहोरा एवं तदर्थ समिति अधिवक्ता संघ सिहोरा के सदस्य उमाशंकर, मैडम जैन एवं अधिवक्ता सघ के पूर्व अध्यक्ष रविदीप सिंह बेस एवं पूर्व सचिव संजय सिंह सेंगर एवं सम्माननीय अधिवक्तागण उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत मे व्यवहार न्यायालय सिहोरा मे राजीनामा के आधार पर न्यायालय मे लंबित 1050 प्रकरण रखे गये जिसमे से 74 प्रकरणों का निराकरण किया गया, 6203872 रूपये (अंकन-बासठ लाख तीन हजार आठ सौ बहत्तर) रूपये का अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार प्रीलिटिगेशन के 2486 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये जिसमे 57 प्रकरणों का निराकरण कर 6816196 रूपये (अड़सठ लाख सौलह हजार एक सौ छियान्वे रूपये) का अवार्ड पारित किया गया। जिसमे 157 व्यक्ति लाभान्वित हुए।

हज यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जबलपुर। वक्फ मोमिन ईदगाह ट्रस्ट गोहलपुर, जबलपुर में वर्ष 2024 में हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ हाजी मुहम्मद असगर अंसारी की उपस्थित में आज सुबह 9 बजे से किया गया और इसका समापन रविवार दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। शिविर का आगाज कुरान-ए-पाक कि तिलावत व नात-ए रसूल और लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बेक के बुलंद आवाज के साथ किया गया। हज व उमराह के फजाइल पर हाजी मुफ्ती महमुदुल हसन ने विस्तार से प्रकाश डाला व हर मसले की जानकारी दी। सफर ए हज की तैयारी पर हाजी खुर्शीद अनवर ने अपने सरल एवं सहज अंदाज में समझाया। तत्पश्चात हज व उमराह का तरीका, हज के पांच दिन मीना, अराफात मुजदल्फा में कयाम, अहराम के दो कपडे , हज के दौरान कुछ आम गलतियों पर विशेष ध्यान देने आदाबे जियारत-ए-मदीना, मदीना मुनव्वरा में अहम मुकामात पर हाजी अब्दुल माजिद रहमानी ने अपने अनुभव के अनुसार समझाया।

श्री परशुराम सर्व ब्राम्हण संघ ने गौरीघाट में मनाई परशुराम जयंती

जबलपुर। भगवान श्री परशुराम जी के प्राकट्योत्सव के शुभ अवसर पर गौरीघाट स्थित परशुरामधाम, जबलपुर में श्री परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ के द्वारा शाम को अभिषेक प्रभु के वस्त्र, झंडा धारण करवा कर पूजन अर्चन के बाद बड़े धूमधाम से भजन संध्या के साथ श्री परशुराम जी, नर्मदाजी की महाआरती के पश्चात कन्या पूजन कर भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया गया। मुख्य रूप से पूज्य जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य जी ने उपस्थित होकर सभी को अपना आशीर्वाद दिया और सभी उपस्थित भक्तों को गुरुजी द्वारा श्रीरामलला, परशुरामजी का अलौकिक छाया चित्र, वस्त्र पट्टिका, आरती पुस्तिका देकर सम्मानित कराया गया। जिसमें वरिष्ठ नगर अध्यक्ष पं यदुवंश मिश्रा, राष्ट्रीय पदाधिकारी अध्यक्ष डॉ.अरुण मिश्रा, मंदिर पुजारी राजकुमार दुबे, आचार्य शिव गणेश गौतम, योगेंद्र मालवीय, पत्रकार चंद्रशेखर शर्मा, मातृशक्ति मीरा दुबे, मिथलेश तिवारी, विनीता मालवीय, सुनीता तिवारी, रागिनी तिवारी एवं अन्य परिक्रमावासी, साधुगण आदि उपस्थित रहे।

मनोहारी जिन प्रतिमाओं का हुआ नगर आगमन

जबलपुर। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर के पाटन रोड, करमेता में जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में बन रहे भव्य एवं मनोहारी श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर "ज्ञानायतन" में शुक्रवार वैशाख सुदी तीज अक्षय तृतीया के शुभ दिन विशाल जिन प्रतिमाओं का नगर आगमन हुआ जिसमे श्री 1008 आदिनाथ भगवान, श्री 1008 सीमंधर भगवान एवं श्री 1008 महावीर भगवान की मनोहारी प्रतिमाओं को भव्य शोभायात्रा के रूप में लाया गया। मंगल महोत्सव में सकल जैन समाज के साथ वीतराग विज्ञान मंडल के अशोक जैन, विमल जैन, सुशील जैन, डॉ. एस. सी. जैन, सुनील जैन, सतीश जैन, प्रसन्न जैन सहित फेडरेशन अध्यक्ष संजय जैन, उपाध्यक्ष राजीव जैन, अनुभव जैन, प्रशांत जैन, अभिषेक जैन, शरद जैन, विशाल जैन, निशांत जैन, श्रेय जैन, अंकित जैन सहित बड़ी संख्या में जिनशासन सेवक सम्मिलित हुए।फेडरेशन के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन ने बताया की मनोहारी जिनालय का राष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव आगामी वर्ष 2025 फरवरी माह में होगा जिसकी जोरदार तैयारी फेडरेशन द्वारा की जारी हैं जिसमे सम्पूर्ण मध्य प्रदेश सहित पूरे देश एवं विश्व से जैन बंधु जबलपुर पधारेंगे और संस्कारधानी उनका भव्य स्वागत करेगी।

सेठ मन्नूलाल हॉस्पिटल में नर्स दिवस मनाया गया

जबलपुर। सेठ मन्नूलाल जगन्नाथदास ट्रस्ट दीक्षितपुरा में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर एक समारोह आयोजित किया गया, प्रबंधन की ओर से श्रद्धा मालपाणी ने बताया कि नर्सिंग पेशेवर की शुरुआत करने वाली प्रख्यात फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्म दिवस 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाने का निर्णय वर्ष 1974 में लिया गया। नर्सिंग को सबसे बड़े स्वास्थ्य पेशे के रूप में माना जाता है, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जैसे पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित और अनुभवी होना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे हॉस्पिटल में नर्सें अपनी भूमिका तत्परता से निभा रही हैं और रोगियों की अच्छी तरह देखभाल कर रही हैं जिससे हमारे हॉस्पिटल की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। इस अवसर पर हॉस्पिटल की डॉ. मानसी चनपुरिया जनरल मैनेजर, डॉ. सुलेखा देवानी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. आशीष पटेल, डॉ. केसी दीवानी, डॉ. सुलेखा दीवान भी उपस्थित थीं।

श्रीराम दरबार स्थापना दिवस सानंद सम्पन्न

जबलपुर। निरंतर जनहितैषी कार्यों को समर्पित परमहंस माँ ललिता फाउंडेशन ने अक्षय तृतीया पर सवत्सा गौदान की परम्परानुसार 26वां गौदान एवं जानकीनगर जगदम्बा कालोनी स्थित शिव शक्ति मंदिर में परमहंस माँ ललितादेवी द्वारा स्थापित भगवान श्रीराम दरबार का सोलहवां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया। अक्षय पुण्यार्जन के महापर्व स्वयं सिद्ध मुहुर्त में त्रिदिवसीय विविध धार्मिक अनुष्ठान देवी पूजन, सुहागलें, जल कलश दान, अन्नदान, वस्त्रदान, मां नर्मदा जी की पूजन आदि विविध धार्मिक आयोजन सानंद सम्पन्न किये गए। इस अवसर पर परमहंस मां ललिता फाउण्डेशन के संस्थापक, संचालक द्वय पं. धीरेन्द्र कुमार गर्ग, श्रीमती ममता गर्ग, पं. रामभजन तिवारी, संदीप शास्त्री, सतीश शास्त्री सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुषमा खरे की कृति शिवपुराण बुंदेली भाष्य का हुआ विमोचन

सिहोरा। वैशाख माह की पावन शुक्ल अक्षय तृतीया के पुनीत अवसर पर सिहोरा की सुप्रसिध्द साहित्यकार श्रीमती सुषमा वीरेंद्र खरे की साहित्यिक गतिविधियों में निरंतर उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है ।अभी कुछ दिनों पूर्व उनकी सामाजिक उत्थान हेतु प्रेरक रचनाओं की कृति कलम के रंग का विमोचन सिहोरा के साहित्य पाठक मंच के तत्वावधान में हुआ था और आज जबलपुर की प्रसिद्ध संस्था बुंदेली सनातनी संस्कृति के तत्वावधान में महान विभूतियों और वरिष्ठ साहित्यकारों के करकमलों से उनके द्वारा रचित व अनुवादित धार्मिक कृति *शिवपुराण बुंदेली भाष्य* का विमोचन हुआ। यह ग्रंथ 300 पेज का है और इसमे शिव पार्वती चरित्रों को बुंदेली भाषा में सुंदल ढंग से प्रस्तुत किया गया है ।सुषमा खरे ने बताया कि 14 सितंबर 2023 से उन्होंने शिवपुराण बुंदेली भाषा में लिखना शुरू किया था और इसी साल फरवरी में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर यह सम्पन्न हुआ और बुंदेली संस्था की संचालिका प्रभा विश्वकर्मा के अनुरोध पर उन्होंने इस ग्रंथ को प्रकाशित करवाया और 10 मई को रानी दुर्गावती संग्रहालय कला वीथिका में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आचार्य डॉ भगवत प्रसाद दुबे,ज्ञानगंगा महाविद्यालय के संस्थापक श्री जैन,महापौर जगत बहादुर अन्नू, प्रतुल श्रीवास्तव सहित अनेक वरिष्ठ साहित्यकार उपस्थित थे।

सुषमा का रुझान धर्म साहित्य की ओर अधिक है तथा उनकी एक और बुंदेली कृति प्रकाशित होनेवाली है । उनकी इस कृति पर जबलपुर क्षेत्र के प्रसिद्द मंच संचालक मंचमणि,राजेश पाठक ने अपनी शुभकामनाएं और बधाई दी।

निधन

श्रीमती उषा गुप्ता- सरस्वती कॉलोनी निवासी श्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती उषा गुप्ता (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री झलकन अहिरवार- नई बस्ती आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री झलकन अहिरवार (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती विमला वर्मा- शास्त्री नगर मेडिकल निवासी श्री बीपी वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती विमला वर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश चौधरी- भानोट एनक्लेव गोरखपुर निवासी श्री जगदीश चौधरी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री श्रीनिवास तिवारी- नंद नगर मानेगांव रांझी निवासी श्री श्रीनिवास तिवारी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गंगा बाई यादव- उडिय़ा मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री विजय चंद यादव की धर्मपत्नी श्रीमती गंगा बाई यादव (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी देवी- चंपानगर मानेगांव रांझी निवासी श्री गजेंद्र पाल की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लीला बाई रजक- लालमाटी निवासी श्री अक्षय लाल रजक की धर्मपत्नी श्रीमती लीला बाई रजक (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती आशा पिल्ले- जीके हुसैन कम्पाउंड सदर निवासी श्रीमती आशा पिल्ले (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुरू प्रसाद चौधरी- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री गुरू प्रसाद चौधरी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रूपा बागची- राजुल पार्क के पास तिलहरी निवासी श्री उत्पल बागची की धर्मपत्नी श्रीमती रूपा बागची (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती निर्मला देवी खूबानी- शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री हासामल खूबानी की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला देवी खूबानी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मानिक लाल केसरी- सार्थक अपार्टमेंट नर्मदा रोड निवासी श्री मानिक लाल केसरी (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वेद प्रकाश राव- डिपो नं. 2 के पास गोरखपुर निवासी श्री वेद प्रकाश राव (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती नलिनी बर्मन- विकास नगर गढ़ा गौतम मढिया के पास निवासी श्री डीएल बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती नलिनी बर्मन (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

जबलपुर। कुशवाहा समाज के मेधावी विद्यार्थियों एवं समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान शिवबहोर कुशवाहा की पुण्यतिथि पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं वृंदावन वर्मा, रविन्द्र कुशवाहा, चन्द्रशेखर पटेल, मनोज कुशवाहा, रामनारायण वर्मा, रामसजीवन कुशवाहा, श्यामलाल, रामयज्ञ, शिवदत्त, सुनील, राजेश, रजनीश, राजकुमार कुशवाहा व बड़ी संख्या में गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन शीला कुशवाहा व आभार प्रदर्शन एड. मनोज कुशवाहा ने किया।

दमदार रिटर्न दे रहा ईटीएफ निवेश की बनाएं रणनीति

मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएफ में होता था। बाजार में ईटीएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। ईटीएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। भविष्य में ईटीएफ निवेश का अच्छा माध्यम बन सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

रिटेल निवेशकों का मार्च 2024 में म्यूचुअल फंडों की स्मॉल-कैप स्कीम्स में निवेश कम हुआ है। वे लार्ज-कैप और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएएफ) जैसे ऑप्शंस को तरजीह दे रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है। मार्च 2024 में ईटीएएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएएफ में होता था। बाजार में ईटीएएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट्स का कहना है कि होटल वाले वही खाना पेश करते हैं, जिसकी डिमांड होती है। जब ईटीएएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। ऐसे में निवेशकों का रुझान भी ईटीएएफ की तरफ बढ़ने लगा है। लेकिन ईटीएएफ में निवेश के लिए एक बेहतरीन रणनीति बनाई जानी चाहिए। इसके बाद ही ईटीएएफ में निवेश करना चाहिए। इससे निवेशकों को कम समय में ही बढ़िया रिटर्न मिलेगा और वे जल्द मालामाल हो सकते हैं।

पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई।

स्टॉक की तरह होता है कारोबार

ईटीएएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड का शेयर बाजार में आम स्टॉक की तरह कारोबार होता है। पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। इनमें वे टॉप पर हैं, जो सरकारी कंपनियों में निवेश करते हैं। मतलब वे निफ्टी पीएसयू या पीएसई में निवेश करते हैं। ऐसे में रिटेल निवेशक इन पर टूट पड़े हैं। रिटेल निवेशकों के लिए जरूरी है कि पहले वे ईटीएएफ के फायदे-नुकसान को समझें और बाद में निवेश करें।

अंतर समझना जरूरी

पीएसयू इक्विटी म्यूचुअल फंड और पीएसयू ईटीएएफ के बीच का अंतर समझें। ईटीएएफ में कई बार बाय-सेल में प्राइस डिफरेंस पे करना होता है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ मामलों में लिक्विडिटी से लेकर सट्टा किस्म की जोखिम और जटिलताएं भी ईटीएएफ से जुड़ी हैं।

क्या है पीएसई-ईटीएफ

निफ्टी पीएसई इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं जिनकी आउटस्टेंडिंग शेयर कैपिटल का 51% प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार और/या राज्य सरकार के पास है। इसमें 20 स्टॉक्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल यह निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकता है। ईटीएएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, जो इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स जैसे असेट को ट्रेक करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो ईटीएएफ वे फंड हैं जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जब आप ईटीएएफ के शेयर/यूनिट खरीदते हैं, तो आप एक पोर्टफोलियो के शेयर/यूनिट खरीद रहे हैं जो इसके नेटिव इंडेक्स की यील्ड और रिटर्न को ट्रैक करता है।

ईटीएफ मार्केट में चैलेंज

सर्वे के नतीजे बताते हैं कि लिक्विडिटी, मार्केट मूवमेंट और नए आइडिया पर आधारित प्रोडक्ट बड़े फैक्टर हैं, जो ईटीएफ मार्केट को चला रहे हैं, जबकि हिडन रिस्क और कम जानकारी ईटीएफ मार्केट के लिए बड़ी बाधाएं हैं, जिन पर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री को ध्यान देने की जरूरत है। 'डिकोडिंग ईटीएफ परसेप्शन' शीर्षक से 15 शहरों में रह रहे 2109 निवेशकों के बीच किए गए इस सर्वे में महानगरों के साथ-साथ टियर 2 शहर भी शामिल हैं, जिसमें दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं।

छोटे शहरों में बढ़ रहा क्रेज

म्यूचुअल फंड्स की ईटीएफ स्कीम्स को लेकर छोटे शहरों खासकर टियर 2 शहरों में तेजी से क्रेज बढ़ रहा है। 36-45 साल के निवेशकों के बीच इनकी डिमांड बढ़ रही। अलग-अलग मार्केट कैप प्रोडक्ट्स में लार्ज कैप और मिड कैप आधारित ईटीएफ की लोकप्रियता निवेशकों और निवेश की इच्छा रखने वाले लोगों के बीच ज्यादा है।

क्या है अंतर?

ईटीएएफ और अन्य प्रकार के इंडेक्स फंड के बीच मुख्य अंतर यह है कि ईटीएएफ अपने संबंधित इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश नहीं करते हैं, बल्कि केवल इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराते हैं। ईटीएएफ पैसिवली मैनेज्ड होते हैं। इसका उद्देश्य एक विशेष मार्केट इंडेक्स से मेल खाना है, इसलिए इसका फंड मैनेजमेंट स्टाइल पैसिव होता है।

एक्टिव एमएफ एमएफ से अलग कैसे

शेयर बाजार में ट्रेडिंग के चलते इसे खरीदना और बेचना अपेक्षाकृत आसान है। इसमें निवेश के लिए आपको म्यूचुअल फंड के डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। म्यूचुअल फंड की आम स्कीमों में अपनी यूनिट्स बेचने के लिए भी आपको म्यूचुअल फंड कंपनी के पास जाना पड़ता है। शेयर बाजार में खरीद-फरीख्त होने से इसकी कीमत रियल टाइम होती है। ईटीएफ खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसके माध्यम से आप खरीद फरोख्त कर सकते हैं। यह बात म्यूचुअल फंड स्कीम में लागू नहीं होती।

अब 30 की उम्र वालों के लिए सुपरहिट प्लान

- इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें, 30 साल तक छोड़ दें, हर माह 3000 रुपये लगाने पर मिलेंगे 4.50 करोड़।
- इसमें 3.91 करोड़ रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही मिलेंगे, रोजाना 100 रुपये बचाकर भी कर सकते हैं निवेश।
- रिटायरमेंट प्लानिंग भी बेहतर होगी।

बचत
बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि आदमी जितनी जल्दी निवेश शुरू करेगा, उतनी ही जल्दी अमीर बन जाएगा। यह बात काफी हद तक सच भी है। इसलिए सबको चाहिए कि वे जितनी जल्दी हो सके निवेश शुरू कर दें। इससे आपके पास अच्छा पैसा होगा और रिटायरमेंट भी बेहतर बनेगी। लेकिन, ये कोई नियम नहीं। निवेश में देर होती है, लेकिन अगर स्ट्रैटेजी सही है तो पैसा तो तब भी बनाया जा सकता है। अब देश में 30 साल की उम्र वालों के लिए भी म्युचुअल फंड में एसआईपी के कई बेहतरीन प्लान मौजूद हैं। इसमें बड़े निवेश की भी जरूरत नहीं है। बस आपको रोजाना 100 रुपये बचाने हैं। महीने के 3000 रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लगाएं 30 साल के लिए छोड़ दें। इससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग भी हो जाएगी। 30 साल बाद आपके पास 4.17 करोड़ रुपये होंगे। ये तो कुछ भी नहीं। रिटर्न की ऐसी ताबड़तोड़ बारिश होगी कि सिर्फ 3.58 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज से कमाई होगी।

ऐसे करती है काम

आप भी अच्छा रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं तो इक्विटी मार्केट में पैसा लगा सकते हैं। आप पैसा बनाना चाहते हैं तो लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी सबसे सटीक काम करती है। अपनी इनकम से जरूरी खर्चे निकाल दें और उसके बाद सिर्फ 100 रुपये की रोजाना बचत करें। इस बचत से हर महीने निवेश करना है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आपके पैसे को सही दिशा देगा और रिटर्न आपके पैसे को बढ़ाता चला जाएगा। इन्वेस्टमेंट एडवाइजर के मुताबिक, अगर बड़ा फंड चाहिए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। निवेशक 30 की उम्र में अपना पहला निवेश 3000 रुपये से करता है और 30 साल तक नियमित निवेश में करे तो बड़ा फंड तैयार होगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश करना फायदेमंद है।

कम्पाउंडिंग का मिलता है फायदा

एडवाइजर की मानें तो म्यूचुअल फंड में 30 साल के लिए निवेश करना है। इसमें अनुमानित 15% का रिटर्न मिलता है तो करोड़पति बनने की राह आसान हो जाती है। सबसे बड़ा फायदा इसमें कम्पाउंडिंग का मिलता है। मतलब 30 साल में 15% के साथ कम्पाउंड इंट्रस्ट का भी फायदा मिलेगा, लेकिन, इससे भी जरूरी है सबसे सटीक फॉर्मूला, जो एसआईपी में चार चांद लगा देगा। ये फॉर्मूला स्टेप अप एसआईपी का है। आपको बस हर साल 10% का स्टेप-अप रेट रखना है।

10% स्टेप-अप से बनेगा 4.50 करोड़ का कॉर्पस

आप 30 साल के हैं. रोजाना 100 रुपये बचाकर एसआईपी में निवेश किया है। 30 साल के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी का लक्ष्य रखा। हर साल 10% स्टेप-अप करते रहे। 3000 रुपये से शुरुआत की तो अगले साल 300 रुपये बढ़ाने होंगे। 30 साल बाद आपके पास 4,50,66,809 रुपये मैच्योरिटी अमाउंट होगा। एसआईपी कैलकुलेटर के हिसाब से 30 साल में आपका कुल निवेश 59,21,785 रुपये होगा, लेकिन, यहां सिर्फ रिटर्न से 3 करोड़ 91 लाख 45 हजार 025 रुपये का फायदा होगा। एसआईपी में ये ही रिटर्न का जादू है। इस तरह सबसे सटीक फॉर्मूला स्टेप-अप की मदद से आपके पास 4 करोड़ 50 लाख रुपये का बड़ा फंड तैयार होगा।

28 साल में भी बन सकते हैं करोड़पति

आप 28 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं बशर्ते आपका म्यूचुअल फंड आपको 13 प्रतिशत का रिटर्न दे। इस रिटर्न के हिसाब से आपकी संपत्ति 28 साल के बाद 10,176,162 रुपये होगी।

म्यूचुअल फंड पर कितना मिलता है रिटर्न

ज्यादातर विशेषज्ञों के मुताबिक एसआईपी के जरिए आप औसतन 12 प्रतिशत तक का ब्याज पा सकते हैं और कभी-कभी यह ब्याज दर बाजार के रही तेजी के कारण 15 और 20 फीसदी तक भी पहुंच सकती है या मंदी के कारण कम भी हो सकती है। आपको ब्याज संचय से लाभ होता है, और आप एसआईपी से आसानी से अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आप जितने लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करेंगें आपका लाभ उतना ही अधिक होगा।

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें, कुछ समय खुद पर निवेश करें

नई स्किल्स सीखें और घूमें और खुद की वैल्यू को बढ़ाएं, स्किल के दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ा पाएंगे, इससे आप कुछ समय बाद बड़ा अमाउंट निवेश पाएंगे, 15 लाख के बजाय बना पाएंगे 1.5 करोड़ तक का कॉर्पस, मोटा निवेश करेंगे तो मोटा मुनाफा भी मिलेगा

मुनाफा
बिजनेस डेस्क

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें। कुछ साल तक खुद पर निवेश करें और अपनी प्रतिभा को और निखारें। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं। इसके बाद आपके पास निवेश करने के लिए अधिक पैसे होंगे और आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे। लेकिन यह मानसिकता उन लोगों के लिए है जो ज्यादा अमाउंट निवेश करना चाहते हैं। हालांकि आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करोगे, उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा। जब 22-23 साल की उम्र में किसी की नौकरी लगती है, तो उसे सबसे पहले यही सलाह दी जाती है कि तुरंत निवेश शुरू कर दो, भले ही वह छोटा सा क्यों ना हो। ये बात बिल्कुल सही है कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, कंपाउंडिंग की वजह से आपको उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा, लेकिन यह सिर्फ उन लोगों के लिए अच्छा है, जो बड़ा अमाउंट निवेश कर पा रहे हैं। मामूली निवेश करने वाले लोग अगर ये सोचेंगे, तो तगड़ा रिटर्न नहीं कमा पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए कि 22-23 साल की उम्र में करीब 25 हजार रुपये की सैलरी वाली आपकी नौकरी लग जाती है। अब इसमें से अगर आप हर महीने कम से कम 10-15 हजार रुपये निवेश कर पाएं, तब तो आपको कंपाउंडिंग का फायदा समझ आएगा, वरना आपका निवेश करना आपको फायदा नहीं देगा। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में 20-25 हजार रुपये तक को एक आदमी का घर का किराया, खाना-पीना, ऑफिस आना जाना और कपड़े आदि में ही खर्च हो जाता है। यानी इतनी कम सैलरी से अगर आप बचा भी सके तो मुश्किल से 1-2 हजार रुपये ही हर महीने निवेश कर पाएंगे। वहीं अगर अपने खर्चों को बहुत ज्यादा कम भी कर दिया तो भी 5 हजार रुपये से ज्यादा बचा पाना काफी मुश्किल है।

पांच साल में रिटर्न

अगर आप हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करते हैं और साल दर साल उसे 10 फीसदी की दर से बढ़ाते हैं तो 5 साल में आप 4,67,755 रुपये का कॉर्पस बना लेंगे।

ऐसे करें तुलना

अगर आप करियर शुरू होने के बाद से ही 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते जाते और हर साल उसे 10 फीसदी बढ़ाते जाते तो आपके पास 10 साल में करीब 15 लाख रुपये का कॉर्पस जमा हो रहा था। बशर्ते आपको हर साल 10 फीसदी का औसतन रिटर्न मिलता। वहीं दूसरी ओर, अगर आप 5 साल खुद पर निवेश कर के अपनी सैलरी 4 गुना कर के निवेश शुरू करते हैं तो महज 5 साल में ही अपने कॉर्पस को 1.5 करोड़ रुपये तक का बना सकते हैं, यानी 10 गुना ज्यादा। तो करियर के शुरुआती दौर में भविष्य के लिए निवेश ना करें, अपने ऊपर निवेश करें, ताकि खुद के भविष्य को बेहतर बना सकें।

इसमें आपका कुल निवेश होगा 3,66,306 और उस पर आपको 1,01,449 का ब्याज मिलेगा। यह भी तब होगा तब आपको 10 फीसदी की दर से रिटर्न मिलेगा, जबकि तमाम बैंकों में एफडजी रेट 7-8 फीसदी से अधिक नहीं हैं। अगर आप इसी दर से 10 सालों तक निवेश करते हैं तो आपके पास 15,22,926 का कॉर्पस जमा हो जाएगा।

शुरूआत में यह करें

करियर के शुरुआती 5 सालों में आपको पैसे निवेश करने के बजाय उन्हें खुद पर इन्वेस्ट करना चाहिए। जो पैसे बचाकर आप निवेश करने की सोच रहे थे, उन पैसों को बचाकर कोई नई स्किल सीखें। इस बात की हर संभव कोशिश करें कि कैसे आप अपनी सैलरी को 4-5 गुना या उससे भी ज्यादा कर सकते हैं। आपको सिर्फ नई स्किल सीखने पर ही फोकस नहीं करना चाहिए, बल्कि घूमने-फिरने पर भी पैसे खर्च करने चाहिए। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं।

जमा हो जाएंगे 1.5 करोड़ रुपये

मान लीजिए कि आप 5 सालों तक अपने निवेश किए जाने वाले पैसों से कुछ स्किल सीखते हैं और उसके दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ाने में कामयाब हो जाते हैं, जो बड़ी बात नहीं है। ऐसे में पहले आपकी जो सैलरी 25 हजार रुपये थी, अब वह 4 गुना तक बढ़कर 1 लाख रुपये हो सकती है। अब अगर 5 साल बाद आपके खर्चे 20 हजार रुपये महीने से बढ़कर 50 हजार रुपये महीना भी हो जाते हैं, तो भी आपके पास करीब 50 हजार रुपये बचेंगे। इस तरह अगर आप अगले 5 साल 50 हजार रुपये हर महीने 10 फीसदी बढ़ाते हुए निवेश करते हैं तो आपके पास करीब 1.52 करोड़ रुपये तक जमा हो सकते हैं।

होम ट्यूटर बनकर कमा सकते हैं हर महीने हजारों रुपये

आईडिया: शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए

- यह इनकम बढ़ाने का सबसे आसान तरीका
- आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज
- इसके लिए किसी बड़े निवेश की जरूरत नहीं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

यदि आप पढ़े लिखे हैं और बेरोजगार हैं तो आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप इस बिजनस के माध्यम से हर माह अच्छे खासे रुपये कमा सकते हैं। यदि आप खुद का बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो होम ट्यूटर बनना आपके लिए बेहतरीन बिजनेस आईडिया हो सकता है। यह एक ऐसा कारोबार है, जिसमें कोई बड़ा निवेश करने की भी जरूरत नहीं होती। इसे आप गांव, कस्बे या शहर कहीं भी कर सकते हैं। हालांकि आपकी शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। आप किसी भी शहर में हिंदी, अंग्रेजी, साइंस, मैथ, केमेस्टट्री और फिजिक्स जैसे सबजेक्ट पढ़ाकर आसानी से अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। इसके अलाव छोटे बच्चों को भी ट्यूशन दे सकते हैं। आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। ऐसे आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

क्या है होम ट्यूटर

होम ट्यूटर एक ऐसा बिजनस है जो अपने घर से शुरू किया जा सकता है। यही नहीं यदि आपके पास किसी मोहल्ला या शहर में जगह है तो आप अपने खुद का इंस्टिट्यूट खोल सकते हैं। होम ट्यूटर बिजनस के माध्यम से आप छोटे बच्चों से लेकर बड़े बच्चों तक की ट्यूशन क्लास शुरू कर सकते हैं, जिसमें आप कक्षा हिंदी, अंग्रेजी और गणित के साथ विज्ञान के बच्चों को अपने घर से पढ़ाना शुरू कर सकते हैं। यही नहीं आपको मालूम ही है कि आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना है। आप अपने घर से ऑनलाइन होम ट्यूटर के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी एक विषय में दक्ष हैं तो आप एक विषय के जरिए भी होम ट्यूटर बिजनस को शुरू कर सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन शुरू करने से पहले आपको इस बिजनस की योजना को तैयार करना होगा। क्योंकि कोई भी बिजनस हो बिना योजना के शुरू नहीं किया जा सकता। उसके बाद बच्चों को और उनके पेरेंट्स को होम ट्यूशन के बारे में जानकारी देने के लिए आपको अपने मोहल्ले और शहर में प्रचार प्रसार करना होगा, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। होम ट्यूशन में अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने के लिए आप ऑनलाइन सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का तरीका अपना सकते हैं। यही नहीं आप अपने मोहल्ले में बच्चों को आकर्षित करने के लिए पेम्पलेट का भी प्रयोग कर सकते हैं।

शुरू में बच्चों को छूट दें

इस बिजनस को शुरू करने से पहले बच्चों को फीस में छूट देनी होगी, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। इसके अलावा, यदि आप अपने दक्ष विषय के अलावा दूसरे विषयों की भी होम ट्यूशन को शुरू करना चाहते हैं, तो आपके पास उन विषयों में दक्ष टीचर भी होने आवश्यक है।

कितनी हो सकती है कमाई

होम ट्यूशन के जरिए आप हर माह हजारों रुपये तक की कमाई कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके पास जितने ज्यादा बच्चे होंगे उतनी कमाई आपकी दुगनी होगी। एक उदाहरण के तौर पर समझे तो आप एक बच्चे से हजार रुपये हर महीने के लेते हैं और आपके पास 50 बच्चे भी हैं तो इस अनुसार आप हर माह 50,000 रुपये तक कमा सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन के फायदे

एक ही छात्र पर होता ध्यान : अभिभावकों द्वारा होम ट्यूशन लगाने का एक सबसे बड़ा कारण यह है कि स्कूलों में एक क्लास में कई छात्र होते हैं और शिक्षक प्रत्येक छात्र पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते। होम ट्यूशन में एक शिक्षक का ध्यान एक छात्र पर रहता है और वो अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके एक छात्र को अच्छी तरह सब समझा पाते हैं।

अच्छे शिक्षक मिलते हैं : होम ट्यूशन में आप अपने अनुसार अनुभवी शिक्षकों से अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं। कई स्कूलों में अनुभवी शिक्षक नहीं होते हैं। वहीं होम ट्यूशन देने वाले शिक्षकों को कई सालों का अनुभव होता है। आप अपनी क्षमता के अनुसार होम ट्यूशन लगा सकते हैं। आप अच्छे से अच्छे शिक्षक को घर पर अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए बुला सकते हैं।

अधिक सीखने को मिलता है : होम ट्यूशन में छात्र अपनी क्षमता अनुसार अधिक भी सीख सकते हैं। स्कूलों में सभी बच्चों के अनुसार पढ़ाया जाता है। वहीं अगर आपका बच्चा अधिक सीखने की क्षमता रखता है तो अपने अनुसार पढ़कर सिलेबस को जल्दी खत्म करा सकता है।

छात्रों को मिलता है अच्छा माहौल : होम ट्यूशन से छात्रों को पढ़ने का अच्छा माहौल मिलता है। वे अपने अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। स्कूलों में क्लास में अधिक छात्रों के होने के कारण छात्र खुलकर शिक्षकों से सवाल नहीं पूछे पाते हैं। वहीं होम ट्यूशन में छात्र अपनी सुविधा के अनुसार शिक्षकों से आराम से सावल भी कर पाते हैं और अपने डाउट्स भी क्लीयर कर पाते हैं।

20 साल बाद आया दुनिया का सबसे बड़ा सौर तूफान

असाधारण खगोलीय घटना से विश्व के कई शहरों में ध्रुवीय ज्योति ऑरोरा से रंग-बिरंगा हुआ आसमान, सैटेलाइट्स और पावर ग्रिडस को पहुंचा नुकसान

वॉशिंगटन। दुनिया का सबसे शक्तिशाली सौर तूफान 20 सालों बाद शुक्रवार 10 मई को धरती से टकराया। तूफान के कारण तस्मानिया से लेकर ब्रिटेन तक आसमान में तेज बिजली कड़की। वहीं कई सैटेलाइट्स और पावर ग्रिडस को भी नुकसान पहुंचा। सोलर तूफान के कारण दुनिया की कई जगहों पर ध्रुवीय ज्योति (ऑरोरा) की घटनाएं देखने को भी मिलीं। इस दौरान सौर तूफान की वजह से आसमान अलग-अलग रंगों को दिखाई दिया। सौर तूफान धरती पर मैग्नेटिक फील्ड को प्रभावित करते हैं। ऐसे तूफानों के कारण पावर ग्रिड को भी नुकसान पहुंचता है। साथ ही विमानों में भी टर्बुलेंस की दिकक्त होती है। इसके चलते अंतरिक्ष यात्रियों को तूफान के दौरान स्पेस स्टेशन के अंदर रहने की सलाह दी जाती है।

- सौर तूफान का कारण सूर्य से निकलने वाला कोरोनल मास इजेक्शन
- सौर तूफान के कारण कई सैटेलाइट्स को नुकसान पहुंचा है।
- दुनिया के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में देखा जा रहा
- रेडियो संचार क्षेत्र और जीपीएस को खतरा अलर्ट जारी
- अमेरिका के वैज्ञानिकों ने इसे जी4 घटना करार दिया

आसमान में दिख रही रंग-बिरंगी रोशनी

सौर तूफान आने का कारण सूर्य से निकलने वाला कोरोनल मास इजेक्शन है। इस दौरान सूर्य से आने वाले पार्टिकल्स धरती के चुंबकीय क्षेत्र (मैग्नेटिक फील्ड) में प्रवेश करते हैं। पार्टिकल्स के धरती पर एंट्री करने के बाद एक रिएक्शन होता है, जिसके कारण पार्टिकल्स चमकदार रंग- बिरंगी रोशनी के रूप में दिखते हैं।

फ़ोर्ट लॉडरडेल, फ़्लोरिडा

सप्ताह के अंत तक रहेगा असर

अमेरिकी वैज्ञानिक संस्था 'नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (एनओएए) के मुताबिक इस सौर तूफान का असर सप्ताह के अंत तक रहेगा। इसे मुख्य तौर पर दुनिया के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में देखा जा सकेगा। लेकिन अगर यह तेज होता है तो इसे और भी कई जगहों पर देखा जा सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने दो दशकों बाद अपनी पहली गंभीर भू-चुंबकीय तूफान घड़ी भी जारी की है। इसे जी4 घटना करार दिया गया है। यह तूफान अमेरिकी सरकार के पैमाने के अनुसार, दूसरा सबसे गंभीर तूफान है।

शिर्के, जर्मनी

रेडियो सिग्नल से कई सेवाएं बाधित

तूफान से रेडियो संचार और जीपीएस को खतरा हो सकता है। सिग्नलों के बाउंस-बैक को बाधित करती हैं। आवश्यक सेवाओं के साथ-साथ विमानन, समुद्री, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों भी जीपीएस नेविगेशन पर ही निर्भर हैं। यह सभी व्यवधान के कगार पर हैं। जीपीएस सेवाओं की अखंडता चिंता का विषय है। दुनिया भर में सैटेलाइट ऑपरेटर्स, एयरलाइंस और पावर ग्रिड को ऑपरेटर अलर्ट पर हैं।

आरलैंडरवीन, नीदरलैंड

स्विट्ज़रलैंड

कुवैत के नए अमीर शेख मिशाल अल-अहमद-अल-सबा ने भंग की देश की संसद

राजनीतिक उठापटक के बीच सभी विभाग नियंत्रण में लिए, कहा- इस समय 'भ्रष्टाचार' बहुत बड़ी समस्या

एजेंसी ▶▶ कुवैत

कुवैत के नए अमीर शेख मिशाल अल- अहमद-अल-सबा ने देश की संसद को भंग कर दिया है। अमीर ने शुक्रवार को सरकारी टीवी चैनल को दिए अपने संबोधन में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैं देश के लोकतंत्र के गलत इस्तेमाल की अनुमति नहीं दूंगा। इसके साथ ही उन्होंने चार सालों के लिए देश के सरकारी विभागों को अपने नियंत्रण में ले लिया है और कई कानूनों को भंग कर दिया है। अमीर कुवैत का सबसे बड़ा पद है। संसद भंग होने के बाद नेशनल असेंबली की सभी शक्तियां अमीर और देश की कैबिनेट के पास आ गई हैं।

कुवैत के अमीर शेख ने कहा है कि मैं देश के लोकतंत्र के गलत इस्तेमाल की अनुमति नहीं दूंगा। इसके साथ ही उन्होंने चार साल के लिए देश के सरकारी विभागों को अपने नियंत्रण में ले लिया है और कई कानूनों को भंग कर दिया है।

- संसद भंग होने के बाद सभी शक्तियां अमीर के पास
- देश के सुरक्षा और आर्थिक संस्थानों तक पहुंचा भ्रष्टाचार

देश की न्याय प्रणाली में भी भ्रष्टाचार | अमीर कुवैत का सबसे बड़ा पद

कुवैत में राजशाही व्यवस्था

कुवैत में भी अरब देशों का तरह शेख के नेतृत्व वाली राजशाही व्यवस्था है। लेकिन यहां की जनरल असेंबली अरब देशों के मुकाबले वहां की राजनीति में ज्यादा शक्तिशाली है। पिछले कुछ समय से कुवैत में घरेलू राजनीतिक संकट चल रहा है। देश की कैबिनेट और जनरल असेंबली के बीच कई मुद्दों पर टकराव है, जिस कारण से देश को नुकसान हुआ है। देश का वेलफेयर सिस्टम इसका बड़ा मुद्दा रहा है। इसके कारण कुवैत की सरकार कर्ज नहीं ले पा रही है। यही वजह है कि तेल से भारी मुनाफे के बावजूद सरकारी खजाने में कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं बचे हैं।

28 साल में 12 बार संसद भंग

कतर की संसद में 50 सदस्य होते हैं, जिसका नेता प्रधानमंत्री होता है। ये सारे सदस्य निर्दलीय रूप से चुने जाते हैं, क्योंकि कुवैत में राजनीतिक पार्टियां पर प्रतिबंध है। इसके अलावा 16 सदस्यों की एक कैबिनेट होती है, जिसे पीएम खुद चुनते है। हालांकि प्रधानमंत्री का पद पर नियुक्ति कुवैत के अमीर ही करते है। और संसद पर भी उन्हीं की ही पकड़ होती है।वे जब चाहे संसद को भंग कर सकते हैं।

अप्रैल में हुए थे चुनाव

इससे पहले आखिरी बार फरवरी में देश की संसद भंग की गई थी, जिसके बाद अप्रैल में देश में चुनाव हुए थे। अप्रैल में नई संसद की नियुक्ति के बाद 13 मई को पहली बार संसद की बैठक होनी थी, लेकिन कई राजनेताओं ने सरकार में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। अमीर ने कहा कि सरकार बनाने में विफलता कुछ नेताओं के आदेशों और शर्तों नहीं मानने का परिणाम था।

भ्रष्टाचार कुवैत की सबसे बड़ी समस्या

अमीर ने कहा कि कुवैत इन दिनों कठिन समय से गुजर रहा है। इसके कारण देश को बचाने के लिए और लोगों को सुरक्षित करने के लिए हमे कुछ कड़े फैसले लेने पड़े हैं। उन्होंने कहा है कि पिछले कुछ सालों में राज्य के विभागों में भ्रष्टाचार बड़ी समस्या बनकर उभरा है। इससे कुवैत का माहौल खराब हुआ है। कहा कि भ्रष्टाचार देश के सुरक्षा और आर्थिक संस्थानों तक पहुंच गया है। देश की न्याय प्रणाली में भी भ्रष्टाचार हो रहा है।

यूएन में फिलिस्तीन को स्थायी सदस्य बनाने का प्रस्ताव

पक्ष में 143 और विपक्ष में किए 9 वोट, भारत ने दिया समर्थन

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। 193 सदस्यीय महासभा ने शुक्रवार की सुबह एक आपातकालीन विशेष सत्र के लिए बैठक की। इस दौरान अरब देशों की ओर से फिलिस्तीन के समर्थन में 'संयुक्त राष्ट्र में नए सदस्यों का प्रवेश' प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव के पक्ष में 143 मत पड़े। अमेरिका तथा इजराइल सहित अन्य 9 देशों ने विरोध में वोट किए। वहीं, 25 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

भड़के इजराइल राजदूत

संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) की असेंबली में फिलिस्तीन को स्थायी सदस्य बनाने का प्रस्ताव पास होने से इजराइली राजदूत गिलाद एर्दान भड़क गए। उन्होंने अपने भाषण के दौरान यूएन चार्टर को फाड़ दिया। उन्होंने कहा कि वो चार्टर को फाड़कर संयुक्त राष्ट्र को आइना दिखा रहे हैं। एर्दान ने फिलिस्तीन को सदस्य बनाने वाले प्रस्ताव को यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है। उन्होंने कहा कि यह दिन यूएन की बदनामी के दिन के तौर पर याद किया जाएगा। मैं चाहता हूं कि पूरी दुनिया इस पल, इस अनैतिक काम को याद रखे। यह विनाशकारी वोट है। आप अपने हाथों से यूएन के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

यूएन ने मॉडर्न नाजियों के लिए दरवाजे खोले

इजराइली राजदूत गिलाद एर्दान ने हमास का जिक्र करते हुए कहा कि यूएन ने मॉडर्न नाजियों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। इसलिए मैं आपको आपके वोट का नतीजा बताने आया हूं। आप जल्द ही फिलिस्तीन के आतंकी देश के राष्ट्रपति याह्या सिनवार से मुलाकात करेंगे। जो आप लोगों को धन्यवाद देगा। बता दें, दुनिया में स्वतंत्र देश की पहचान पाने की दिशा में यह फिलिस्तीन का पहला कदम है। वोटिंग से पहले यूएन में फिलिस्तीन के राजदूत रियाद मंसूर ने 193 देशों से फिलिस्तीन के पक्ष में वोटिंग करने को कहा था।

खबर संक्षेप

10 नेपाली पर्वतारोहियों ने माउंट एवरेस्ट फतह की

काठमांडू। नेपाल के दस पेशेवर पर्वतारोहियों ने शुक्रवार रात को माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफलता हासिल की। यह इस मौसम में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाला पहला अभियान दल है। पर्वतारोहण अभियान का आयोजन करने वाले 'सेवन समिट ट्रैक' के कर्मी थानी गुरुगैन ने कहा कि डेंडी शेरपा के नेतृत्व में पर्वतारोहियों की टीम शुक्रवार रात सवा आठ बजे शिखर पर पहुंची।

वायुसेना ने दो महिला पर्यटकों को बचाया

शिमला। सिरमौर जिले के चूड़धार में फंसी भारतीय मूल की दो विदेशी महिला पर्यटकों को शनिवार सुबह वायु सेना के दो चीता हेलीकॉप्टर के जरिये सुरक्षित निकाला गया। उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा ने बताया कि इन दो महिला पर्यटकों की शुक्रवार शाम चूड़धार के तीसरी में फंसे होने की सूचना जिला प्रशासन को मिली थी, जिसके तुरंत बाद आवश्यक प्रबंध किए।

पीओके में आंदोलन कर रहे लोगों का क्रूरता से दमन

पाकिस्तान सुरक्षा बलों ने की एके-47 से फायरिंग, दो प्रदर्शनकारियों की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान की सरकार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निवासियों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर रही है। अशांत क्षेत्र पीओके से मिल रही रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तानी अधिकारी उन नागरिकों पर हमला कर रहे हैं जो भारी टैक्स, बढ़ती महंगाई और बिजली की कमी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। पीओके में पाकिस्तान की दमनात्मक कार्रवाई कोई नई बात नहीं है। ताजा कार्रवाई तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को मार्च निकाला। पाकिस्तान रेंजर्स और स्थानीय पुलिस ने हवा में आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ गोलियां भी चलाईं। पाकिस्तानी पुलिस और वहां के अर्धसैनिक बलों के हमले में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा था प्रदर्शन

मार्च के जरिए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया था, लेकिन जब पुलिस और सुरक्षा बलों ने हवाई फायरिंग और अन्य घातक तरीकों से जवाब दिया, तो नागरिक भड़क गए और दोनों पक्षों में झड़प शुरू हो गई।

उत्तरी अफगानिस्तान में बाढ़ से 300 की मौत

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एजेंसी ने कहा है कि अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ में 300 से अधिक अफगान लोगों की मौत हुई है। बाढ़ की वजह से अफगानिस्तान के उत्तरी प्रांत बगलान में 1,000 से अधिक घर भी नष्ट हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम ने शनिवार को कहा कि वह बाढ़ से बचे लोगों को बिस्कुट वितरित कर रहा है। ज्यादातर पीड़ित उत्तरी प्रांत बगलान में हैं, जहां शुक्रवार को बाढ़ आई है।

नोमुरा ने इंडिया डिफेंस रिपोर्ट में किया दावा

देश के रक्षा क्षेत्र को अगले 10 वर्षों में 138 अरब डॉलर के सौदे मिलेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नोमुरा की ओर से जारी 'इंडिया डिफेंस' नामक एक रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा उपकरणों, प्रौद्योगिकियों और सेवाओं की बढ़ती मांग के बीच भारत के रक्षा क्षेत्र को वित्त वर्ष 2024 से 2032 के दौरान 138 बिलियन अमरीकी डालर का आकर्षक ऑर्डर मिल सकता है। यह स्थिति रक्षा उत्पादन और प्रौद्योगिकी विकास में लगी कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रक्षा पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 30 तक कुल बजट का 37 प्रतिशत तक बढ़ने की ओर अग्रसर है, इस दौरान वित्त वर्ष 2025 में अनुमानित रूप से 29 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि हो सकती है। यह वित्त वर्ष 24-30 में 15.5 ट्रिलियन रुपए के संचयी पूंजी परिव्यय के बराबर है, जो पिछली अवधि की तुलना में पर्याप्त वृद्धि का संकेत देता है।

मेक इन इंडिया पर ध्यान

रिपोर्ट में इस वृद्धि का श्रेय रक्षा बजट बढ़ाने, आधुनिकीकरण के प्रयासों और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण पर सरकार के ध्यान को दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रक्षा क्षेत्र के विभिन्न सेक्टर्स में आकर्षक अवसर प्रदान करता है। अकेले रक्षा एयरोस्पेस क्षेत्र की हिस्सेदारी 50 बिलियन अमरीकी डॉलर की है।

अंतरिक्ष में दिखी अनोखी खगोलीय घटना

पृथ्वी की चमक से दमका हंसियाकार चंद्रमा, साथ ही हल्का गोल आकार दिखा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरिक्ष और उससे जुड़ी घटनाओं में रूचि रखने वाले लोगों के लिए शनिवार का दिन खास रहा। 11 मई की शाम आसमान में एक अद्भुत खगोलीय घटना घटी। पश्चिम दिशा में शुक्ल पक्ष चतुर्थी के हंसियाकार चांद देखा गया। इसमें हंसियाकार भाग तो तेज चमक के साथ चमकता दिखा लेकिन हल्की चमक के साथ पूरा गोलाकार चंद्रमा भी दिखाई दिया।

सूर्य का प्रकाश 12 प्रतिशत परावर्तित होता है

सारिका घारू ने बताया कि चंद्रमा अपने तक पहुंचने वाले सूर्य के प्रकाश का लगभग 12 प्रतिशत परावर्तित करता है। वहीं, दूसरी ओर पृथ्वी अपनी सतह पर आने वाले सभी सूर्य के प्रकाश का लगभग 30 फीसदी परावर्तित करती है। पृथ्वी का जब यह परावर्तित प्रकाश चंद्रमा पर पहुंचता है तो चंद्रमा की सतह के अंधेरे वाले भाग को भी रोशन कर देता है।

दा विंची चमक

साल में सिर्फ दो बार दिखने वाली इस खगोलीय घटना के बारे में बताते हुये विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि इसे अर्थ शाईन कहा जाता है। इस घटना में चंद्रमा का अप्रकाशित भाग दिखाई देता है। इसे दा विंची चमक के नाम से भी जाना जाता है। लियोनार्डो द विंची ने पहली बार स्केच के साथ 1510 के आसपास अर्थ शाईन की अवधारणा को रखा था।

अशेन ग्लो नाम भी दिया

सारिका ने बताया कि विदेशों में इस खगोलीय घटना को अशेन ग्लो या नए चंद्रमा की बांहों में पुराना चंद्रमा भी नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि याद रखें चंद्रमा को चमकाने में उस पृथ्वी का भी योगदान है, जिस पर आप खड़े हैं।

पाक की फिर हो गई बेइज्जती!

कर्ज मांगने पर आईएमएफ भी हो गया 'हां और न' में कन्फ्यूज

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

कैश क्रंच, महंगाई, करप्शन और संसाधनों की कमी के चलते पाकिस्तान भयंकर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से लोन मांग रहा है लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्था को संदेह है कि क्या पाकिस्तान कर्ज चुका भी पाएगा, या नहीं। पाकिस्तान पर जारी अपनी स्टाफ रिपोर्ट में आईएमएफ के हवाले से कहा कि कर्ज चुकाने की पाकिस्तान की क्षमता गंभीर जोखिमों के अधीन है, और यह नीतियों को लागू करने तथा समय पर बाहरी वित्तपोषण पर निर्भर है। आईएमएफ का कहना है कि पाकिस्तान को अगले पांच साल के दौरान 123 अरब डॉलर की फंडिंग की जरूरत होगी।